

सम्पादकीय

5जी नेटवर्क : नए और बेहतर बदलाव

दस दिन पहले यानी 20 मई को केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अशिवनी वैष्णव ने आईआईटी, मद्रास द्वारा देसी तकनीक से तैयार एक ड्रायल नेटवर्क पर देश में पहली 5जी कॉल की। इससे पहले प्रधानमंत्री ने देश में आईआईटी, मद्रास में देश के पहले 5जी टेस्ट बैड का उद्घाटन किया था, ताकि स्टार्ट अप्स और उदयमी स्थानीय स्तर पर अपने उत्पादों की जांच और उनकी अभिपुष्टि कर सकें और विदेशी सुविधाओं पर हमारी निर्भरता कम हो। जाहिर है कि 5जी के तैयार उपकरणों और नेटवर्कों को अब विदेशों से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है, देश में ही इसका प्रमाणीकरण कंट्रॉल है, जिसका लाभ 5जी नेटवर्क की दौड़ में शामिल होने की इच्छुक भारतीय कंपनियों को मिलेगा।

मोबाइल फोन और इंटरनेट के आम उपभोक्ताओं के लिए 5जी वायरलेस तकनीक की पांचवीं पीढ़ी है, जो 4जी नेटवर्क की तुलना में अधिक रफ्तार और ज्यादा क्षमता मुहूर्हा कराएगी। यह अब तक की सबसे तेज और मजबूत तकनीक है। 5जी नेटवर्क में इंटरनेट की रफ्तार और बढ़ जाएगी, जिससे डाउनलोड होने में कम समय लगेगा। इसमें बेंच ऐजल लोड करने में कम समय लगेगा और हमारा जीवन, कारोबार कारोबारी, जिससे डाउनलोड होने की जरूरत नहीं है, देश में ही इसका प्रमाणीकरण कंट्रॉल है, जिसका लाभ 5जी नेटवर्क की दौड़ में शामिल होने की इच्छुक भारतीय कंपनियों को मिलेगा।

पिछले करीब तीस साल में वायरलेस तकनीक के क्षेत्र में व्यापक रूपांतरण हुआ है। 1जी के शुरुआती दिनों की, जो एनालॉग सेलुलर था और आवाज ही जिसका एकमात्र माध्यम था, विशेषता यह थी कि मोबाइल टेलीफोन अपने उस प्रारंभिक दौर में बिना तार के आवाजाही कर सकता था। काफी दिनों तक 1जी नेटवर्क रहा, जिसे 2जी ने आकर विस्थापित किया। 2जी नेटवर्क की विशेषता यह थी कि आवाज के अलावा इसमें कुछ आंकड़े भी प्रेषित किए जा सकते थे। यानी 2जी नेटवर्क में बात करने की सुविधा के अलावा एक-दूसरे को संदेश (एसएमएस) भेजा जा सकता था। उसके बाद 3जी और 4जी नेटवर्क आए, जो अब भी प्रचलन में हैं। मोबाइल टेलीफोन की तकनीक में यह बड़ा बदलाव था, जिन्होंने वीडियो कॉल, तेजी से डाउनलोडिंग और मोबाइल पर आए कुछ नए एप के जरिये दूरसंचार की हमारी दुनिया ही बदल दी।

वायरलेस तकनीक की हर पीढ़ी ने उपभोक्ताओं को कुछ न कुछ उल्लेखनीय प्रदान किया। 5जी तकनीक भी उपभोक्ताओं को बहुत कुछ नया देने वाली है। अलबत्ता 5जी तकनीक और 5जी के अनुभवों में कफ्क है। उदाहरण के लिए, कई देशों में 5जी तकनीक पहले से ही काम कर रही है, लेकिन उन देशों में, यहां तक कि अमेरिका में भी, 5जी तकनीक से होने वाले बदलाव अभी तक संभव नहीं हो चुके हैं। वेशक 5जी 4जी की तुलना में बहुत तेज है, लेकिन 5जी तकनीक से मानव जीवन में होने वाले बदलावों की अभी प्रतीक्षा ही की जा रही है। चुनौतियां यहां खत्म नहीं हो जाती। जैसे कि सिर्फ 5जी नेटवर्क के आना काफी नहीं है, आपके पास ऐसे मोबाइल फोन 5जी नेटवर्क को संपोर्ट नहीं करते। जाहिर है, बड़ी संख्या में बाजारों में 5जी नेटवर्क वाले मोबाइल फोन आएंगे, तो उपभोक्ताओं को उनकी महंगी कीमत भी चुकानी पड़ेगी।

अपने ही देश की बात करें, तो 5जी स्पेक्ट्रम में संचालित होने के लिए 5जी टेलीकॉम लाइसेंस की प्रक्रिया पर काम अभी चल ही रहा है। वोडाफोन आइडिया, जिओ और एयरटेल 5जी नेटवर्क की अपनी क्षमता का अभी परीक्षण कर रही हैं। और बेशक इस साल के अंत तक देश में 5जी नेटवर्क की शुरुआत हो जाएगी, इस तकनीक का हमारे जीवन पर पड़ने वाला असर देखने के लिए और कुछ समय तक इंतजार करना पड़ेगा। दूरसंचार विभाग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इस साल 5जी नेटवर्क लांच हो जाएगा, लेकिन शुरुआत में देश के 13 शहरों में ही यह नेटवर्क लांच होगा। उसके कुछ समय बाद ही पूरे देश के लिए 5जी का लाभ उठाना संभव हो सकेगा। 5जी और उसके बाद 6जी तकनीक निविचत तौर पर भारत के व्यापक तौर पर बदलेगी, परंतु सभी लोगों के लिए इसका लाभ उठाना संभव नहीं। जिन उपकरणों पर 5जी तकनीक का असर साफ दिखता है, उनमें से ज्यादातर का निर्माण भारत में नहीं होता। ऐसे में, 5जी सोर्पोर्ट वाले अनेक गैजेट्स के लिए हमें विकसित देशों पर निर्भर रहना पड़ेगा। जैसे कि दो मुख्य लोटफॉर्म-एप स्टोर और एपल स्टोर के लिए सॉफ्टवेयर विकासित करने और उनकी जांच करने के लिए अनेक टेस्टिंग रूम्स की आवश्यकता पड़ेगी।

यह संभावना दत्तात्रीजा ही है कि 5जी तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में-खासकर अस्पतालों, हवाई अड्डों और डाटा संग्रहण में बड़ी भूमिका निभाएगी। वायरलेस तकनीक की अगली पीढ़ी सिर्फ तकनीक सीमित नहीं होगी। ऐसे में, जाहिर है कि उसके अनुरूप नेटवर्क, उसके अनुरूप उपकरणों और उसके अनुरूप एप्स के लिए खर्च करने पड़ेंगे। भारत की विश्वाल आबादी और इंटरनेट व डाटा की भारी जरूरतों को देखते हुए वैश्विक दूरसंचार की होड़ में भारत निविचत रूप से शामिल है। ऐसे में, 5जी और विष्व की तकनीकों के परीक्षण की प्रणाली और पारिस्थितिकी तंत्र हमारे यहां हो, यही स्वाभाविक है। इन सब में समय लगेगा। पर 5जी का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को खर्च करना पड़ेगा। टेलीकॉम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का विश्व बाजार चुनीदा देशों की चुनीदा कंपनियों के पास ही है, जिनमें भारत शामिल नहीं है।

यह उज्ज्वल संभावना तो ही है कि भारत 5जी तकनीक विकासित करने वाले देशों में अग्रणी होगा, पर यह तो समय ही बताएगा कि 5जी तकनीक के विकास केंद्र के रूप में भारत विश्व बाजार को आकर्षित कर पाएगा या नहीं। जो टेलीकॉम कंपनियों 5जी सेवा की शुरुआत करने जा रही है, उन्हें ढांचागत सुविधाओं पर भी खर्च करना पड़ेगा, ताकि इसकी सेवा पूरे देश में एक जैसी हो और मोबाइल व दूसरे उपकरण उन पर काम कर सकें। अगर इन चिंताओं के उत्तर नहीं आए, तो हमारे पास तकनीक तो होगी, लेकिन उसके ज्यादा उपयोगकर्ता नहीं होंगे।

ये लेखक के अपने विचार हैं।

विप्र सेवा संघ ने स्वास्थ शिविर में निभाई सहभागिता

रीवा व्यूरो : आजादी के अमृत महोसूस के अंतर्गत जिला स्तरीय दो दिवसीय स्वास्थ मेला कुशभाऊ ठाकरे जिला विकासितालय विछिया रीवा में आयोजित किया गया जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव शुक्ला के मार्गदर्शन में विप्र सेवा संघ के 40 वालंटियर शामिल रहे वालंटियर द्वारा मरीजों को लाया गया उनकी जांच दिवायां निःशुल्क दिलाई गई जिन लाग का आयुष्मान कार्ड नहीं बना है और योग्य थे उनका कार्ड भी बनाया गया स्वास्थ मेला 30-31 मई दो दिवसीय रहेगा जिसमें सभी बीमारियों के डॉक्टर वैशेषिक विशेषज्ञ टीम शामिल रहे गंभीर रोगियों को रेफर और मार्गदर्शन दिया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री गोपीनाथ गोपी जी विधायक सभा अध्यक्ष मध्यप्रदेश शासन भेषाल शुक्ला जी प्रसाद द्विवेदी अनुल पांडे शुभम तिवारी आदि अन्य पदाधिकारी और सदस्य शामिल रहे।



डॉक्टर आराती तिवारी पीआरआओ, पुष्पा शर्मा जी शिवम शुक्ला संतोष शिवम जानेंद्र सोनी दिवायां शुक्ला दिवायां मारी सूरज संध्या रितिका सिंह अनुल शुक्ला प्रकाश शुक्ला रानी पटेल पूजा साधिया सिसोदिया प्रसाद द्विवेदी अनुल पांडे शुभम तिवारी आदि अन्य पदाधिकारी और सदस्य शामिल रहे।

डॉक्टर स्वामी भगवदाचार्य ने "गोस्वामी तुलसीदास विश्व विद्यालय की स्थापना के लिए उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक को दिया ज्ञापन

व्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार गोण्डा के स्कूलरेत स्थित रित्थ गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्मभूमि राजापुर गाव के निकट राजापुर स्तरीय विश्व विद्यालय की स्थापना करने जा रही है। इसलिए उनके नाम पर विश्व विद्यालय का नामकरण किया गया गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म राजापुर में गोरखनाथ तथा जामनगढ़ में गोरखनाथ तथा जामनगढ़ में गोरखनाथ आयुष्मान विश्व विद्यालय का नामकरण किया गया है। भारतीय संस्कृति के संरक्षक तुलसीदास के नाम पर गोस्वामी तुलसीदास जी का विश्व विद्यालय का नामकरण किया जाना अति उत्तम होगा। डॉ० स्वामी भगवदाचार्य ने उक्त जानकारी दी।

कृष्णानगर टीम ने गाजा तस्करी करने वाली एक नफर शातिर अभियुक्ता को किया गिरफ्तार

विद्यालय के लिए प्रस्तावित भूमि विकास खण्ड परसपुर परिसर के बास ही गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म स्थान है। इसलिए उनके नाम पर विश्व विद्यालय का नामकरण किया गया गोरखनाथ विद्यालय का नामकरण किया गया है। भारतीय संस्कृति के संरक्षक तुलसीदास के नाम पर गोस्वामी तुलसीदास जी का विश्व विद्यालय का नामकरण किया गया है।



के आधार पर थाना स्थानीय पर मु030रां 273 / 2022 धारा 8 / 20 एनडीपीएस एक पंजीकृत कर अभियुक्ता उपरोक्त को न्यायिक अभियान स्थानीय पर निर्वाचित कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। माल बरामदी निर्वाचित करने पर गोरखनाथ स्थानीय पर मुद्रण किया गया है। अभियान के अधीक्षक विश्व विद्यालय का उद्देश्य केवल सकारात्मक जीवन यापन करने का है। समापन के अवसर पर ब

